अंतर्राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा आकलन

हाल ही में **फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA)**, अमेरिका के विमानन सुरक्षा नियामक ने विमानन सुरक्षा का मूल्यांकन किया और **भारत के विमानन सुरक्षा निरीक्षण के "श्रेणी 1" दर्जे को बरकरार रखा है।**

अंतर्राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा आकलन:

- **परिचय:**
    - **फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन** वार्षिक अवधि में अंतर्राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा मूल्यांकन (IASA) कार्यक्रम आयोजित करता है, वर्ष 2022 में किये गए परीक्षण में ऑडिट और समीक्षा शामिल थी।
    - यह कार्यक्रम **तीन व्यापक क्षेत्रों पर केंद्रित** होता है:
        - **कार्मिक लाइसेंसिंग**
        - **विमान संचालन**
        - **विमान की उड़ान योग्यता**
    - इस मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित किया जाता है कि किसी देश का विमानन सुरक्षा निरीक्षण मानक **अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन** (International Civil Aviation Organization- ICAO) सुरक्षा मानकों का अनुपालन करता है अथवा नहीं।
- **भारत संबंधी मूल्यांकन:**
    - FAA ने **नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (Directorate General of Civil Aviation-** DGCA) को सूचित किया है कि भारत **शिकागो अभिसमय** और उसके अनुलग्नकों (Annexes) के विमानन सुरक्षा निरीक्षण के लिये अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करता है और FAA ने IASA श्रेणी 1 का दर्जा बनाए रखा है जिसका अंतिम मूल्यांकन जुलाई 2018 में किया गया था।
        - **'श्रेणी-1'** के तहत सूचीबद्ध **देश नागरिक उड्डयन की सुरक्षा निगरानी हेतु ICAO मानकों को पूरा करते हैं।**
- **भारत के लिये इसका महत्त्व:**
    - यह **सुरक्षित और विश्वसनीय विमानन बाज़ार** के रूप में भारत की प्रतिष्ठा की पुष्टि करता है।
    - यह **भारतीय एयरलाइन्स को अमेरिका हेतु उड़ानें** संचालित करना जारी रखने और अमेरिकी वाहकों के साथ कोडशेयर साझेदारी करने की अनुमति देता है, जो **व्यापार एवं निवेश बढ़ाने में मदद कर सकता है।**
    - यह यूनाइटेड नेशन एविएशन वॉचडॉग, ICAO द्वारा स्थापित **सुरक्षा मानकों के अनुपालन हेतु भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित** करता है।

अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (International Civil Aviation Organisation- ICAO):

- ICAO **संयुक्त राष्ट्र (United Nations-UN) की एक विशिष्ट एजेंसी** है, जिसे **वर्ष 1944 में स्थापित किया गया था,** जिसने शांतिपूर्ण वैश्विक हवाई नेविगेशन के लिये मानकों और प्रक्रियाओं की नींव रखी।
- अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संबंधी अभिसमय/कन्वेंशन पर **7 दिसंबर, 1944 को शिकागो में हस्ताक्षर किये गए। इसलिये इसे शिकागो अभिसमय भी कहते हैं।**
    - शिकागो कन्वेंशन ने वायु मार्ग के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय परिवहन की अनुमति देने वाले प्रमुख सिद्धांतों की स्थापना की और ICAO के निर्माण का भी नेतृत्व किया।
    - इसमें **अंतर्राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में विमानन अधिकार, विमानों का पंजीकरण, सुरक्षा मानक, हवाई यातायात नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण** सहित कई मुद्दों को **शामिल** किया गया है।
- ICAO का उद्देश्य **अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन योजना के विकास को बढ़ावा देना है** , ताकि विश्व भर में अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन के सुरक्षित और व्यवस्थित विकास को सुनिश्चित किया जा सके।
- इसके 193 सदस्यों में भारत भी शामिल है।
- इसका मुख्यालय मॉन्ट्रियल, कनाडा में स्थित है।

स्रोत : द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/international-aviation-safety-assessment